हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 219 कानपुर, शनिवार 6 अगस्त 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रुपये

■ केमिकल गोदाम में लगी भीषण आग, आग बुझाने के लिए पहुंची एक दर्जन गाड़ियां

अमित शाह बोले– कांग्रेस ने मंदिर शिलान्यास का अप्रत्यक्ष विरोध किया, इसीलिए काले कपड़े पहने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विरोध के लिए इस दिन को चुना और काले कपड़े पहने, क्योंकि वे अपनी तुष्टिकरण की राजनीति को और बढ़ावा देने के लिए एक संदेश देना चाहते हैं। इसी दिन पीएम मोदी ने राम जन्मभूमि की नींव रखी थी। नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस को जिम्मेदारी समझनी चाहिए और कानून के अनुसार सहयोग करना चाहिए। शिकायत के आधार पर मामला चल रहा है।

जहां तक ईडी का सवाल है, देश में कानून–व्यवस्था की स्थिति का सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार पार्टी होने के नाते कानून का सहयोग देना चाहिए। वो (कांग्रेस) रोज प्रदर्शन करते हैं। मेरा मानना है कि कांग्रेस ने आज के विरोध प्रदर्शन से तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ाया है। आज ईडी ने किसी को तलब नहीं किया लेकिन फिर भी उन्होंने प्रदर्शन किया।

पीएम मोदी से मिलीं ममता बनर्जी, जीएसटी बकाये समेत तमाम मुद्दों पर हुई बात

अपने चार दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच जीएसटी बकाया और मनरेगा समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई। जीएसटी बकाये को लेकर बंगाल सरकार लंबे समय से मांग कर रही है। ममता ने आरोप लगाया था कि केंद्र की मोदी सरकार की ओर से दी जाने वाली राज्यों को जीएसटी बकाया काफी वक्त से लंबित है। खासकर जहां विपक्षी दलों की सरकार है, उन्हें अब तक मुआवजे की पूरी राशि नहीं मिली है। ममता बनर्जी की पीएम मोदी से मुलाकात ऐसे समय पर हुई जब ईडी ने ममता सरकार में रहे कद्दावर नेता और टीएमसी के वरिष्ठ नेता पार्थ चटर्जी ईडी के शिकंजे में हैं। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर ममता सरकार चौतरफा घिरी हुई है। इस मामले में पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ममता के दिल्ली दौरे और पीएम मोदी से उनकी मुलाकात पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस और सीपीएम ने निशाना साधते हुए इसे मैच फिक्सिंग का हिस्सा बताया है। दोनों दलों ने आरोप लगाया है कि भर्ती घोटाले से लेकर मवेशी और कोयला तस्करी मामले में टीएमसी के टॉप लीडर्स के खिलाफ सीबीआई और ईडी की ओर से की जा रही कार्रवाई के बीच ममता बनर्जी का दिल्ली दौरा मैच फिक्सिंग का हिस्सा है। वहीं मेघायल के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने पीएम मोदी को सलाह देते हुए कहा है कि उन्हें जनता को यह समझाना चाहिए कि उनकी ममता बनर्जी से कोई सीक्रेट अंडरस्टैंडिंग नहीं है। बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने ट्वीट किया, कोलकाता में सेटिंग को लेकर काफी चर्चाएं की जा रही हैं। इसका अर्थ यह लगाया जा रहा है कि पीएम मोदी और ममता बनर्जी के बीच सीक्रेट अंडरस्टैंडिंग है। ऐसा है तो क्या तृणमूल कांग्रेस के हत्यारे और चोर इसी तरह खुल्ला घूमेंगे। इसलिए कृपया हम लोगों को यह भरोसा दिलाएं कि ऐसी कोई सेटिंग नहीं है। अपने चार की यात्रा में ममता बनर्जी नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक में भी भाग ले सकती हैं जो इस बार 7 अगस्त को होगी। पिछली बार ममता इस बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। इस बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी करेंगे।

सीएम योगी ने किया उद्घाटन- लखनऊ से नई दिल्ली, गोवा और बंगलुरु के लिए एयर एशिया की सेवा शुरू

लखनऊ से नई दिल्ली, बंगलुरु, गोवा, कोलकाता और मुंबई तक आवागमन अब और आसान हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नई दिल्ली, बंगलुरु और गोवा के लिए एयर एशिया की नई उड़ान सेवा का शुभारंभ किया, जबकि कोलकाता और मुंबई की फ्लाइट अगले माह से शुरू हो जाएगी। सीएम योगी ने बेहतर कनेक्टिविटी को विकास की गति तेज करने का सहज माध्यम बताते हुए यूपी को कनेक्टिविटी के लिहाज से सर्वोत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प भी दोहराया। वहीं प्रदेश में हवाई सेवा को बेहतर करने की मुख्यमंत्री योगी की कोशिशों की प्रशंसा करते हुए केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई हवाई सेवाओं के लिए लखनऊ को बधाई दी है। शुक्रवार को लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह हवाईअड्डा, परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने तीन शहरों के लिए एयर एशिया की उड़ान सेवाओं की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई श्उड़ानश योजना का उत्तर प्रदेश ने अत्यधिक लाभ प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई चप्पल पहनने वाले आम आदमी के हवाई उड़ान का सपना देखा था, उत्तर प्रदेश में बेहतर होती हवाई सेवाएं, इस स्वप्न के साकार होने जैसी हैं। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में मुख्यतः लखनऊ और वाराणसी में ही एयरपोर्ट थे। गोरखपुर और आगरा में आंशिक रूप से क्रियाशील एयरपोर्ट थे। तब चार एयरपोर्ट से मात्र 25 गंतव्यों तक वायुसेवा उपलब्ध थी, आज नौ एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। अकेले लखनऊ में पांच साल से पहले जहां 15 शहरों तक उड़ान की सेवा थी, आज 30 से ज्यादा शहरों के लिए फ्लाइट उपलब्ध है। सीएम योगी ने कहा कि विकास की गति को तेज करने में कनेक्टिविटी का बड़ा योगदान है। इस लिहाज से प्रदेश में एक्सप्रेसवे का निर्माण और अधिकाधिक शहरों को हवाई सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। हवाई सेवाओं को बेहतर करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए प्रदेश सरकार, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया का सहयोग भी ले रही है। बहुत जल्द अलीगढ़, आज़मगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती और सोनभद्र से हवाई सेवा की शुरूआत हो जाएगी। सीएम ने सकारात्मक सहयोग के लिए केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के प्रति आभार भी जताया। कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े केंद्रीय मंत्रु ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यूपी के अपार पोटेंशियल को बढ़ावा देने के लिए हाल के समय में 63 नए रूट जोड़े गए हैं, जल्द ही इसे बढ़ाकर 108 रूट तक करने की तैयारी है।

केंद्र ने छत्तीसगढ़ सरकार को किया आगाह, ग्रामीण आवास योजना को सही तरीके से करें लागू

केंद्र सरकार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार को आगाह किया है कि अगर ग्रामीण आवास योजना को सही तरीके से लागू करने में विफल रहता है तो केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय अपनी अन्य प्रमुख योजनाओं के समर्थन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) को 1 अप्रैल 2016 से लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य मार्च 2024 तक सभी के लिए आवास प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को लिखे पत्र में ग्रामीण विकास सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने उल्लेख किया है कि इस संबंध में कई पत्रों और बैठकों के बावजूद राज्य सरकार ने संतोषजनक प्रगति नहीं दिखाई है। सिन्हा ने पत्र में कहा, यदि राज्य पीएमएवाई–जी को लागू करने में असमर्थ है, तो मंत्रालय को अन्य प्रमुख ग्रामीण विकास (मंत्रालय) योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए अपने समर्थन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय के विभिन्न स्तरों से छत्तीसगढ़ सरकार को कई दौर के संचार के बावजूद इसने न तो संतोषजनक प्रगति दिखाई है और न ही 562 करोड़ रुपये के राज्य के हिस्से को जारी किया है, जिसके परिणामस्वरूप पीएमएवाई–जी का काम रुक गया है। यह रेखांकित करते हुए कि राज्य सरकारों द्वारा इस योजना को जमीनी स्तर पर लागू किया गया है, सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 2020–21 में संबंधित राज्य के हिस्से को जारी नहीं करने के कारण आवंटित 6.48 लाख घरों के लक्ष्य में से अधिकांश को वापस लेना पड़ा। सिन्हा ने कहा कि 2021–22 में ग्रामीण विकास मंत्रालय को लगभग 7.82 लाख घरों के आवंटित लक्ष्य को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, ऐसा राज्य के हिस्से का 562 करोड़ रुपये जारी करने में असमर्थता के कारण हुआ।

सभापति नायडू बोले, सत्र के दौरान आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी नहीं बच सकते सांसद

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को सदन में स्पष्ट किया कि सांसदों को सत्र के दौरान या अन्यथा किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होने से कोई छूट नहीं है। नायडू ने कहा कि संसद सदस्य किसी आम नागरिक से अलग नहीं हैं। इसका मतलब है कि संसद सदस्य को सत्र के दौरान या अन्यथा किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होने से कोई छूट नहीं है। नायडू की टिप्पणी सदन के कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सदन में इस मुद्दे को उठाए जाने के एक दिन बाद आई है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सत्र के दौरान बुलाया गया था। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ उस पर नायडू ने कहा, मैं एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि सदस्यों के बीच एक गलत धारणा है कि उन्हें सत्र के दौरान एजेंसियों द्वारा कार्रवाई करने का विशेषाधिकार है। नायडू ने कहा, मैंने इस पर गंभीरता से विचार किया है। मैंने सभी मिसालों की जांच की और मुझे अपने द्वारा दिया गया खुद का फैसला याद आया। संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद सदस्यों को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं ताकि वे बिना किसी बाधा के अपने संसदीय कर्तव्यों का पालन कर सकें। एक विशेषाधिकार यह है कि किसी संसद सदस्य को दीवानी मामले में सत्र या समिति की बैठक शुरू होने से 40 दिन पहले और उसके बाद 40 दिनों में गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। नायडू ने कहा कि यह विशेषाधिकार पहले से ही नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 135ए के तहत शामिल है। सभापति ने डॉ. जाकिर हुसैन द्वारा 1966 में दिए गए एक निर्णय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया जिसमें उल्लेख किया गया है कि संसद के सदस्य कुछ विशेषाधिकार प्राप्त करते हैं ताकि वे अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। ऐसा ही एक विशेषाधिकार संसद का सत्र चलने के दौरान गिरफ्तारी से मुक्ति है। गिरफ्तारी से मुक्ति का यह विशेषाधिकार केवल दीवानी मामलों तक ही सीमित है और इसे आपराधिक कार्यवाही में प्रशासन में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी गई है। नायडू ने आगे कहा कि सदस्यों को यह भी याद होगा कि मैंने पहले अवलोकन किया था और कहा था किसी भी संसद सदस्य को किसी भी जांच एजेंसी के सामने पेश होने से बचना नहीं चाहिए। सांसदों के रूप में कानून और कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। यह सभी पर लागू होता है। आप केवल सूचित कर सकते हैं कि सदन चल रहा है, आगे की तारीख की मांग सकते हैं, लेकिन आप प्रवर्तन एजेंसियों या कानून लागू करने वाली एजेंसियों के सम्मन या नोटिस से बच नहीं सकते हैं।

राहुल गांधी का हमला– 70 सालों में लोकतंत्र बना, 8 साल में बर्बाद कर दिया

महंगाई–बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, देश में लोकतंत्र की जो मौत हुई, उससे आपको कैसा लग रहा है? जिस लोकतंत्र को 70 सालों में बनाया गया, उसे आठ साल में खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा, देश में आज लोकतंत्र नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, आज देश में सिर्फ चार लोगों की तानाशाही है। हम महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन हमें जेल में डाल दिया जाता है। हमें संसद में बहस नहीं करने दी जा रही। राहुल गांधी ने कहा, जब हमारी सरकार थी तब केंद्रीय एजेंसियां और अन्य संवैधानिक संस्थाएं निष्पक्ष होती थीं। इन्हीं के सहारे विपक्ष खड़ा होता है, लेकिन भाजपा सरकार ने सभी एजेंसियों और संस्थाओं को अपने कब्जे में कर रखा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं जितना सच बोलता जाऊंगा, उतना मुझ पर आक्रमण होगा। लेकिन मैं अपना काम करूंगा, महंगाई पर बात करूंगा, बेरोजगारी पर बात करूंगा। जितना इन सबके खिलाफ बोलूंगा, उतना मुझ पर आक्रमण होगा। ये सिर्फ हमारे लिए नहीं है। सभी के साथ है, जो भी सरकार के खिलाफ बोलता है, उसे केंद्रीय एजेंसियों से डराया जाता है। यह बात लोगों को अभी समझ नहीं आ रही है, लेकिन एक दिन समझ आएगी। राहुला गांधी ने कहा, आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी भारत में हैं। पेट्रोल–डीजल से लेकर हर चीज के दाम बढ़े हुए हैं, लेकिन वित्त मंत्री को महंगाई के एक आंकड़े दिख ही नहीं रहे हैं। किसी भी गांव या शहर में जाकर देख लीजिए, लोग बता देंगे महंगाई कहां है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वित्तमंत्री जिस मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल की बात कर रही हैं, वह कुछ और है। मुझे नहीं लगता कि वित्त मंत्री को भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में कोई समझ है या फिर वह एक मुखपत्र हैं।

सम्पादकीय

बरकरार है आतंकवाद का खतरा

अमेरिकी हमले में काबुल में रह रहे अल कायदा सरगना अयमान अल–जवाहिरी की मौत एक सुकूनदेह खबर है. यह व्यक्ति दुनियाभर में बीते दशकों में हुईं आतंकी घटनाओं के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार था. उसकी मौत से फिर एक बार यह साबित हुआ है कि तालिबानी अब भी अल कायदा से जुड़े लोगों को शरण दे रहे हैं. उन्होंने यह कभी कहा भी नहीं है कि वे इन्हें शरण नहीं देंगे. चाहे दोहा समझौता हो या बाद के बयान हों, तालिबान ने हमेशा यही कहा है कि वे अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल अमेरिका या अन्य देशों के खिलाफ नहीं होने देंगे. यह मान लेना समझदारी की बात नहीं थी कि तालिबान ने उस अल कायदा से अपना नाता तोड़ लिया है, जिसके साथ मिल कर वे लंबे समय तक लड़े हैं. यह मामला केवल अल कायदा का नहीं है, बल्कि तालिबान का यह रवैया अन्य दहशतगर्द समूहों के साथ भी है.

अमेरिका ने भी यह भ्रम फैलाया कि उसने अल कायदा का खात्मा कर दिया है और तालिबान ने भी यह झांसा दिया कि वे सुधर गये हैं और अब वे पुराने ढर्रे के तालिबान नहीं हैं. इसमें कोई अचरज नहीं होना चाहिए कि तालिबान ने अल कायदा के मुखिया को शरण दिया हुआ था और वह काबुल के एक पॉश इलाके में आराम से रह रहा था.

अल–जवाहिरी के मारे जाने के बारे में जो पाकिस्तान से रिपोर्ट आ रही हैं, उनसे लगता है कि पाकिस्तानी सरकार और सेना इसे अधिक तूल नहीं देना चाहती है. माना जा रहा है कि इस ड्रोन हमले के लिए पाकिस्तानी वायु क्षेत्र का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से बताया जा रहा है कि ऐसा नहीं हुआ है और यह ड्रोन किर्गिस्तान से गया था, पर इस हमले में पाकिस्तान का भी कुछ सहयोग जरूर रहा है. यह बहुत संभव है कि हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने देने के अलावा पाकिस्तान ने अमेरिकी सेना को इंटेलिजेंस, खास कर घटना के बाद के हालात का जो आकलन किया जाता है, भी मुहैया कराया हो. लगता है कि इस सहयोग के एवज में पाकिस्तान को कुछ आर्थिक मदद दी गयी है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज का जो मामला लटका हुआ था, शायद अब उस पर रजामंदी हो जायेगी. इस हमले से कुछ दिन पहले ही अमेरिकी सेंट्रल कमान के प्रमुख ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से लंबी बातचीत की थी. उसके बाद पाक सेनाध्यक्ष ने अमेरिकी विदेश विभाग से संपर्क कर मुद्रा कोष से पैसा निकलवाने का निवेदन किया था. इस घटनाचक्र के तुरंत बाद अगर काबुल की घटना हो जाती है, तो इसे संयोग भर नहीं माना जा सकता है. ऐसे मामलों में पहले ही सहयोग को लेकर समझौते कर लिये जाते हैं. बहुत संभव है कि चुपचाप कुछ और रजामंदियां भी हुई होंगी. जहां तक अल कायदा का सवाल है, अल जवाहिरी की मौत से उस पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा और वे एक नया नेता बना लेंगे. तीस वर्षों से हम सभी यही गलती कर रहे हैं कि अल कायदा जैसे समूहों को हम केवल एक संगठन के तौर पर देखते हैं. उन्हें एक फलसफे, एक विचारधारा के रूप में देखा जाना चाहिए. अल कायदा के भीतर से ही इस्लामिक स्टेट उभरा. अल कायदा का कारोबार जेहाद है. उसका जो कारोबारी मॉडल है, वह किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी की तरह है. दुनियाभर में उसके सहयोगी समूह हैं. हमारे इलाके में भी अल कायदा से जुड़ा समूह सक्रिय है. इस लिहाज से देखें, तो अल कायदा की सोच का व्यापक विस्तार हुआ है. जहां तक संगठन का मामला है, तो वह भी पुख्ता हुआ है. उसका स्वरूप भी अलग तरह का है. उसका केंद्र अफगानिस्तान–पाकिस्तान में है, लेकिन जो गिरोह उसके नाम से जगह–जगह चल रहे हैं, वे अपनी गतिविधियों के मामले में बहुत हद तक स्वायत्त हैं. वे अपने उद्देश्य और स्थानीय स्थितियों के हिसाब से कार्रवाई करते हैं. अल कायदा से एक विचार या मार्गदर्शन आता है, पर इन समूहों पर गतिविधियों को लेकर कोई ऊपरी नियंत्रण नहीं है. यह मॉडल बहुत हद तक कामयाब रहा है. अल कायदा के केंद्रीय स्तर पर जेहादी कार्रवाइयों की पहले जैसी क्षमता नहीं रही है, लेकिन जबसे अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता स्थापित हुई है, तब से जेहादी विचारों के प्रचार की, लोगों को बरगलाने की, उन्हें अपनी ओर आकर्षित करने की उनकी क्षमता में बहुत बढ़ोतरी हुई है. भारत को लेकर, कश्मीर पर, कुछ हद तक पाकिस्तान के बारे में और अन्य इलाकों को लेकर उनके बयानों की तादाद काफी बढ़ी है. प्रोपेगैंडा के मामले में बीते एक साल में जमीन–आसमान का अंतर आ चुका है. इस लिहाज से देखा जाए, तो अल कायदा मजबूत ही हुआ है. अल जवाहिरी के मरने के बाद यह मान लेना ठीक नहीं होगा कि अब यह समूह बहुत कमजोर हो जायेगा और उसमें बिखराव आ जायेगा. अगर हम भारत के संदर्भ में अल कायदा के खतरे को देखें, तो यह बड़ा खतरा है और आगे चल कर यह गंभीर ही होगा. भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश) में 60 करोड़ से अधिक मुस्लिम आबादी रहती है, जिसमें यह अपने विचार को फैलाने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है. हमें कतई किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि दक्षिण एशिया के मुस्लिम समुदाय को अल कायदा बरगलाने का प्रयास नहीं करेगा, चाहे उसकी कमान अल जवाहिरी के हाथ में हो या किसी और आतंकी सरगना के. हमारे यहां नीति–निर्धारण प्रक्रिया के साथ समस्या यह है कि हम कुछ महीनों या कुछ साल को ध्यान में रख कर रणनीति तैयार करते हैं, लेकिन अल कायदा जैसे समूह का एजेंडा दीर्घकालिक होता है और वे दशकों के हिसाब से काम करते रहते हैं. उ

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

=== हिरोशिमा दिवस - 6 अगस्त ===

प्रत्येक वर्ष 06 अगस्त को हिरोशिमा दिवस मनाया जाता है। दूसरे विश्वयुद्ध के समय आज ही के दिन 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम लिटिल बॉय गिराया था। उस दिन की याद में 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस के रूप में मनाया जाता है। 06 अगस्त, 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा नगर पर 'लिटिल बॉय' नामक यूरेनियम बम गिराया था। इस बम के प्रभाव से 13 वर्ग कि.मी. में तबाही मच गयी थी। हिरोशिमा की 3.5 लाख की आबादी में से 1,40,000 लोग एक झटके में ही मारे गए। ये सब सैनिक नहीं थे। इनमें से अधिकांश साधारण नागरिक, बच्चे, बूढ़े तथा स्त्रियाँ थीं। इसके बाद भी अनेक वर्षों तक अनगिनत लोग विकिरण के प्रभाव से मरते रहे। अमरीका इतने पर ही नहीं रुका। उसे एक अन्य प्रकार के बम के प्रभावों को अभी और आज़माना था। इसलिए इस अमानवीय विनाश के तीन दिन बाद ही 9 अगस्त को 'फ़ैट मैन' नामक प्लूटोनियम बम नागासाकी पर गिराया गया, जिसमें अनुमानित 74 हज़ार लोग विस्फोट व गर्मी के कारण मारे गए। इनमें भी अधिकांश निर्दोष नागरिक थे । हिरोशिमा को 06 अगस्त, 1945 तक जापान के एक औद्योगिक नगर के रूप में जाना जाता था। दूसरे विश्वयुद्ध के समय जापानी सेना की 5वीं डिविजन का यहाँ मुख्यालय था। यहाँ सैनिक छावनी भी थी और यह सैनिक आपूर्ति मार्ग का महत्वपूर्ण पड़ाव था। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान 6 अगस्त से पूर्व इस नगर पर अमरीका ने बमबारी नहीं की थी, ताकि अणुबम से होने वाले नुकसान का सटीक आकलन किया जा सके। विश्व में पहली बार 6 अगस्त, 1945 को जब इस शहर पर शलिटिल बॉयश नाम का अणुबम गिराया गया, तब जापान सरकार के राशन आपूर्ति के आँकड़ों के अनुसार शहर में कुल आबादी 2,55,000 थी। लेकिन इस शहर में लगातार सैनिक और सहायक मजदूर आ–जा रहे थे। गैर आधिकारिक आंकडों के अनुसार नगर की तत्कालीन आबादी 3,81,000 के आस–पास थी। बम का असर इन शहरों में आज भी देखा जा सकता है। वहां आज भी शारीरिक रूप से विकलांग बच्चे पैदा हो रहे हैं और आज भी अधिकांश लोग वहां कैंसर और ल्यूकेमिया से मरते हैं। जापान की संसद ने 1949 में हिरोशिमा को शांति का शहर घोषित किया।

विद्यार्थियों व आमजनमानस से तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होने का विमल द्विवेदी ने किया आवाहन

उन्नाव । आगामी 14 अगस्त को विमल द्विवेदी व राष्ट्र भक्तो के नेतृत्व में हिन्दू जागरण मंच उन्नाव द्वारा नगर में निकाली जाने वाली विशाल तिरंगा यात्रा को लेकर तैयारियां जोरो पर यात्रा को लेकर मंच के कार्यकर्ताओ सहित स्वयं मंच के प्रांतीय मंत्री व प्रभारी द्वारा आमजनमानस सहित स्कूलो व विद्यार्थियों से जनसपर्क कर आमंत्रण पत्र व राष्ट्रिय ध्वज तिरंगा देकर सम्मिलित होने की अपील कर रहे है ।

विमल द्विवेदी द्वारा बताया गया कि पूरा देश स्वतंत्रता दिवस की 75 वर्ष गांठ अमृत महोत्सव के रूप में बड़े उत्साह से मना रहा है जिसमे हर घर तिरंगा लगाने का आवाहन भी भारत सरकार द्वारा किया गया है हिन्दू जागरण मंच द्वारा 14 अगस्त को रामलीला मैदान से वृंदावन गार्डन तक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे मुख्य आकर्षण 151 मीटर तिरंगे के साथ भव्य झाकिया व हजारो तिरंगों के साथ हजारो राष्ट्र भक्त शामिल होंगे ५ इस मौके पर जिला अध्यक्ष अजय त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष विकास सिंह सेंगर, वीरांगना प्रमुख उमा शुक्ला, उपाध्यक्ष विक्रम द्विवेदी, जिला महामंत्री विष्णु गुप्ता,

युवा प्रभारी मनीष अवस्थी, नगर महामंत्री धर्मेंद्र शुक्ला, आशीष भारती, मनीष मिश्रा, राहुल राम द्विवेदी, परिमल मिश्रा ,अभिषेक तिवारी , राष्ट्रभक्त द्वारा जनसम्पर्क किया गया ।

झारखंड के चतरा में युवक ने मां के साथ सो रही युवती पर तेजाब फेंका

झारखंड के चतरा जिला में एक सिरफिरे ने एक युवती पर तेजाब फेंक दिया. हंटरगंज प्रखंड के डाहा पंचायत के ढेबो गांव की युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी है. घटना गुरुवार रात की है. बताया जा रहा है कि युवती अपनी मां के साथ घर में सो रही थी. इस दौरान युवक ने कमरे में प्रवेश किया और युवती के चेहरे व शरीर पर तेजाब डाल दिया.

बेटी को बचाने में घायल हुई मां

बेटी को बचाने के दौरान मां पर भी तेजाब पड़ गया. वह भी घायल हो गयी. मां–बेटी के चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर घर के बाहर सो रहा छोटा भाई दूसरी बहन के साथ वहां पहुंचा. उन दोनों ने भी शोर मचाकर गांव के लोगों को जगाया. ग्रामीणों को इकट्ठा होता देख युवक फरार हो गया. मामला प्रेम प्रसंग का बताया जाता हैं.

युवती गंभीर रूप से घायल, पटना रेफर

ग्रामीणों ने मां–बेटी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. दोनों की स्थिति गंभीर देख उन्हें गया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. युवती की स्थिति गंभीर थी. इसलिए उसे गया से पटना रेफर कर दिया गया. घटना की सूचना पाकर पुलिस वहां पहुंची.

बेला गांव के दीपक ने काजल पर फेंका तेजाब

पीड़िता के भाई पंकज कुमार व बहन ने पुलिस को बताया कि बेला गांव के दीपक भारती ने

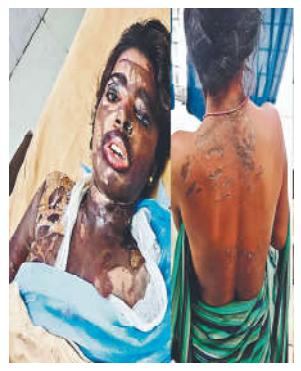

तेजाब डालकर बहन व मां को घायल किया है. भाई–बहन ने बताया कि छह माह पूर्व काजल को दीपक बहला फुसलाकर घर से भगाकर ले गया था. काफी दबाव के बाद काजल को छोड़ दिया गया. काजल ने उसके साथ मिलना–जुलना बंद कर दिया.

काजल को बार-बार देता था धमकी

इससे दीपक नाराज हो गया. वह लगातार काजल व उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दे रहा था. फोटो व वीडियो को वायरल करने की धमकी देता था. काजल और उसके घर वाले जब इस पर भी नहीं माने, तो उसने तेजाब कांड को अंजाम दे दिया.

सिरसा में रहता है पीड़िता का पिता

पुलिस आरोपी के घर व संभावित क्षेत्रों में छापामारी अभियान चला रही है. घटना से पीड़िता के भाई व बहन दहशत में हैं. काजल के पिता जटनू यादव सिरसा में रहते हैं और वहीं काम करते हैं. काजल घर में मां व दो छोटे भाई–बहन के साथ रहती है.

रघुपति राघव राजा राम और वन्दे मातरम के साथ निकलेगी प्रभात फेरी - राहुल राज रस्तोगी

श्रावस्ती । भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले के सभी बूथों पर घर घर तिरंगा लगाने की योजना है। जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम ने कार्ययोजना के संबंध में शक्तिकेन्द्रों पर बैठकों का आयोजन किया गया। हरिहरपुर रानी के पूरेअधारी के शक्तिकेन्द्र पर जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहाकि कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को बहुत ही धूम धाम से और पूरे उत्साह से मनाया जाएगा।

जिले के सभी बूथों पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत घर घर तिरंगा लगाएगा। लक्ष्मणपुर कोठी शक्तिकेन्द्र पर जिला प्रभारी द्वारा उपस्थित बूथ अध्यक्ष एवं बूथ समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए कहाकि आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं द्वारा घर घर तिरंगा पहुंचाकर तिरंगा लगाया। प्रभात फेरी और तिरंगा यात्रा में रघुपति राघव राजा राम, वन्दे मातरम तथा भारत माता की जय का उदघोष होगा। जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला द्वारा लक्ष्मण नगर तथा धूमबोझी दुर्गा शक्तिकेन्द्र पर, पूर्व जिला महामंत्री रणबीर सिंह द्वारा परसा डेहरिया शक्तिकेन्द्र पर, जिला मंत्री अरुण

पाण्डेय द्वारा सेमरी चौराहा तथा बाँसकुड़ी शक्तिकेन्द्र पर तथा जिले के अन्य जिला पदाधिकारियों तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा शक्तिकेन्द्र तैयारी बैठको में भाग लिया गया। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, राकेश प्रताप सिंह, माधवराम वर्मा, महाराज प्रकाश तिवारी, सतीश जायसवाल, शेषराज मिश्रा तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैबिनेट सेक्रेटरी का कार्यकाल एक साल बढ़ा, रह चुके हैं झारखंड के मुख्य सचिव

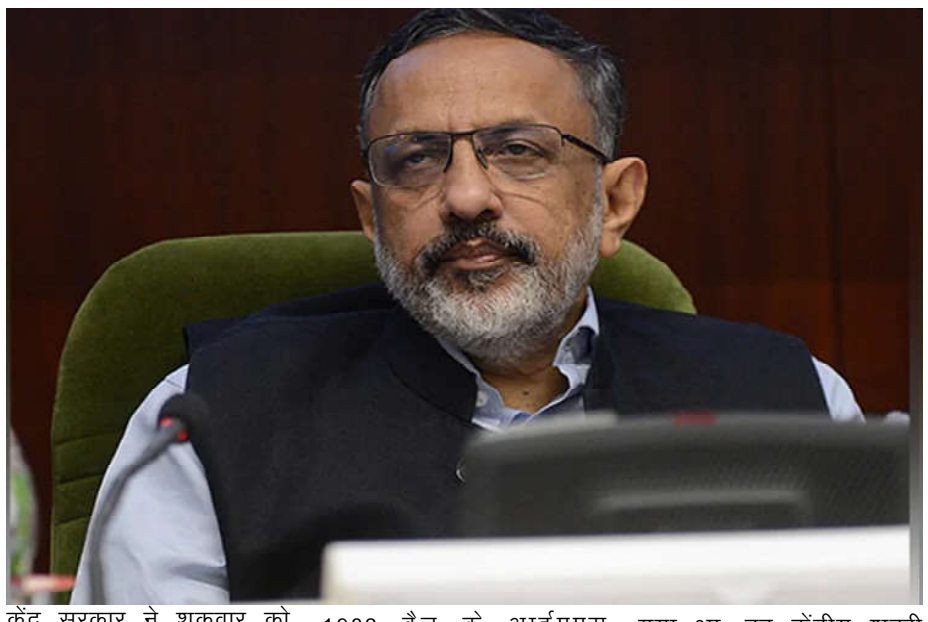

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट सचिव राजीव गौबा को एक साल का सेवा विस्तार दिया है. कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गई है. यह इस पद पर उन्हें दिया गया दूसरा सेवा विस्तार है. राजीव गौबा को 2019 में दो साल के लिये देश के शीर्ष नौकरशाही पद पर नियुक्त किया गया था. उन्हें पिछले साल अगस्त में एक साल का सेवा विस्तार दिया गया था.

झारखंड कैडर के अधिकारी है राजीव गौबा

शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने झारखंड कैडर के 1982 बैच के आईएएस अधिकारी गौबा को 30 अगस्त 2022 के बाद एक और साल के लिए कैबिनेट सचिव के पद पर सेवा विस्तार देने की मंजूरी दी है.

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन में राजीव गौबा ने निभाई थी अहम भूमिका

कहा जाता है कि राजीव गौबा की जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को तैयार करने में अहम भूमिका थी. इस अधिनियम के जरिये तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत मिले विशेष दर्जे को रद्द कर राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में बांटा गया था. वह केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय में सचिव, गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव समेत कई अन्य जिम्मेदारियां निभा चुके हैं.

बिहार से भी रहा है नाता

पंजाब में जन्मे राजीव गौबा बिहार के पटना विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक हैं.

वह 2016 में केंद्र सरकार में सेवा देने के लिये आने से पहले 15 महीनों तक झारखंड के मुख्य सचिव भी रहे और 2016 में उनकी केंद्रीय सेवा में वापसी हुई. राजीव गौबा ने 4 वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व किया.

6 दिनों के ईडी रिमांड पर साहिबगंज का पत्थर व्यवसायी बच्चू यादव, शनिवार से पूछताछ होगी शुरू

साहिबगंज के पत्थर व्यवसायी बच्चू यादव को ईडी की स्पेशल कोर्ट में शुक्रवार को पेशी हुई. ईडी ने पूछताछ के लिए कोर्ट से 10 दिनों का समय मांगा, पर कोर्ट ने ईडी को छह दिनों के रिमांड की अनुमति दी है. ईडी को अनुमति मिलने के बाद बच्चू यादव को होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेज दिया गया है. ईडी शनिवार से बच्चू यादव से पूछताछ शुरू करेगी. इससे पहले अवैध खनन, खनन पट्टा आवंटन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ कर चुकी है.

ईडी ने बच्चू और दाहू यादव को जारी किया था नोटिस

बता दें कि ईडी ने बच्चू यादव समेत दाहू यादव को नोटिस जारी करते हुए रांची के ईडी ऑफिस में हाजिर होने का नोटिस जारी किया था. दूसरी बार जारी नोटिस के बावजूद बच्चू यादव पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस में हाजिर नहीं हुआ था. वहीं, दाहू यादव ने दस्तावेज जुटाने के लिए ईडी से समय की मांग की है.

6 दिनों का मिला रिमांड

इधर, गुरुवर को ईडी ने साहिबगंज के पत्थर व्यवसायी बच्चू यादव को गिरफ्तार कर लिया था. गिरफ्तार के बाद सदर अस्पताल में बच्चू यादव की मेडिकल जांच हुई. जांच के बाद चिकित्सकों ने उसकी स्थिति सामान्य बतायी. इसके बाद उसे कोतवाली थाना भेज दिया गया था. शुक्रवार को उसे ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया. जहां से पूछताछ के लिए ईडी को छह दिनों का रिमांड मिला है.

बच्चू के घर से मिले हैं कई अहम दस्तावेज

बता दें कि पिछले दिनों साहिबगंज स्थित बच्चू यादव के घर से ईडी को छापामारी के दौरान कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं. इस दौरान रुपये भी मिले थे. वहीं, बच्चू यादव ने मां की बीमारी के इलाज के नाम पर ईडी से समय की मांग की थी. वहीं, ईडी ने दो बार नोटिस जारी किया था. इसके बावजूद रांची के ईडी ऑफिस में नहीं आने पर गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया है.

केडीए के प्लॉट लेने के लिए पहले दिन 2500 लोगों ने ऑनलाइन और 400 लोगों ने ऑफिस पहुंचकर कराया रजिस्ट्रेशन

कानपुर । शुक्रवार को केडीए के 1101 प्लॉटों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रॉसेस शुरू हो गया है। पहले ही दिन शाम तक ई–ऑक्शन के जरिए प्लॉट लेने के लिए 2500 लोग केडीए की वेबसाइट पर लाइव आए। पोर्टल के लाइव होते ही लोगों ने प्लॉट की स्थिति देखना शुरू कर दिया। वहीं केडीए और एक्सिस बैंक की शाखाओं में ईडब्ल्यूएस प्लॉट के लिए 400 लोगों ने पंजीकरण पुस्तिकाएं खरीदीं। हेल्प डेस्क और टोल फ्री नंबर पर 250 से ज्यादा लोगों ने पूछताछ की। आजादी के अमृत महोत्सव पर केडीए वीसी अरविंद सिंह ने दीप जलाकर योजना का शुभारंभ किया। सबसे पहले 371 ईडब्ल्यूएस प्लॉट के लिए एक्सिस बैंक द्वारा तैयार की गई पंजीकरण पुस्तिका का विमोचन किया। दूसरी ओर केडीए बोर्ड के मेंबर प्रमोद अग्रहरि की मौजूदगी में उन्होंने बटन दबाकर ई–ऑक्शन के लिए जारी किए गए 730 प्लॉट को पोर्टल पर लाइव किया। लोगों में प्लॉट लेने के लिए केडीए में भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। ग्राउंड फ्लोर पर ही हेल्प डेस्क बनाया गया था। यहां केडीए के स्टाफ के साथ ही बैंकों के प्रतिनिधि भी तैनात किए गए थे। ताकि लोगों को सारी प्रक्रिया समझा सकें। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 18005725474 पर जवाब देने और समझाने के लिए टीम लगाई गई हैं। 6 सितंबर तक अंतिम तारीख तय की गई है।

राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान समारोह

कानपुर । शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का सम्मान समारोह कचहरी स्थित सेनानी सदन में हुआ गया। अध्यक्ष रामआशीष राय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी धर्म कुमार सिंह का सम्मान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी देश के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय नहीं मिल पा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का खादी सूत की माला, पुष्पमाला, अंगवस्त्र व देश की लड़ाई का प्रतीक खादी चरखा देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ सेनानी उत्तराधिकारियों को भी कार्यक्रम में उनके पूर्वजों द्वारा आजादी की लड़ाई लड़ने के कारण मुसीबतों को झेलने के लिए संवेदना व्यक्त की गई। चीफ गेस्ट स्वतंत्रता संग्राम सेनानी धर्म कुमार सिंह ने अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचारों पर

प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की आजादी के इतने साल हो गए हैं। लेकिन अब भी आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को न्याय नहीं मिल रहा। कहा कि बापू के बताए हुए रास्ते पर ही देश विकास की ओर जा सकता है। कहा कि जब तक छोटे उद्योगों को कुटीर उद्योगों को बढ़ावा नहीं मिलेगा। गांव में रोजगार सृजन नहीं होगा। तब तक गांव से पलायन नहीं रोका जाएगा तब तक यह देश विकास की ओर नहीं बढ़ सकता है। सम्मान समारोह की अध्यक्षता सुरेश गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नरेंद्र सिंह यादव, डा. सोहेल चौधरी, सत्येंद्र सिन्हा, अनिल त्रिपाठी, पदम कुमार गुप्ता, अशोक शुक्ला, राम दुलारे गुप्ता, दीनानाथ द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केमिकल गोदाम में लगी भीषण आग, आग बुझाने के लिए पहुंची एक दर्जन गाड़ियां

200 मीटर के दायरे में सभी मकान कराए गए खाली

कानपुर । पनकी में शुक्रवार शाम को एक केमिकल गोदाम में आग लग गई। केमिकल में आग लगते ही पूरे गोदाम को आग की चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आसपास का इलाका खाली कराया है। 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने के लिए मशक्कत कर रही हैं। लेकिन केमिकल होने के चलते फायर ब्रिगेड आग पर दो घंटे बाद भी काबू नहीं पा सकी है। अफसरों ने शॉर्ट सर्किट से गोदाम में आग की आशंका जताई है।

एसीपी कल्याणपुर दिनेश शुक्ला ने बताया कि इस्पात नगर पनकी के कटारिया चौराहा के पास केमिकल गोदाम बना हुआ था। शुक्रवार शाम को आग लगते ही वहां के कर्मचारी छोड़कर भाग निकले। केमिकल होने के चलते पूरी फैक्ट्री आग का गोला बन गई है। एहतियातन 200 मीटर के दायरे में सभी मकान खाली करा दिए गए हैं।

सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि आग को काबू करने का प्रयास किया जा रहा है। केमिकल होने के चलते आग बुझ नहीं रही है। फायर ब्रिगेड के जवान कड़ी मशक्कत से आग को आगे बढ़ने नहीं दे रहे हैं।एसीपी कल्याणपुर दिनेश शुक्ला ने बताया कि फैक्ट्री मालिक का पता नहीं चल सका है। आग लगने के बाद यहां के कर्मचारी भी भाग निकले हैं। पड़ोसियों के मुताबिक, किसी अवस्थी का केमिकल गोदाम हैं। पुलिस फोन पर अवस्थी से संपर्क करके उन्हें मौके पर बुलाया है। इससे पता चल सके कि गोदाम में कैसा केमिकल था और कितनी मात्रा में था। इसके बाद उसी आधार पर प्लानिंग करके आग को काबू किया जा सके।

आईटीबीपी के जवानों ने निकाली तिरंगा यात्रा, घर में तिरंगा फहराने के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

कानपुर । नरवल के नजफगढ़ गांव में आईटीबीपी के जवानों ने तिरंगा रैली निकाली। इस दौरान घर तिरंगा फहराने के प्रति लोगों को जागरूक किया। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आज 32वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के जावनों ने सेनानी अमित कटियार के निर्देशन में रैली निकाली। इस दौरान ग्रामीणों ने भारत माता के जयकारे लगाए। 32वीं वाहिनी आईटीबीपी के जवानों ने यात्रा के दौरान सभी से अपने–अपने घरों में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा फहरानो को कहा। उन्होंने भारतीय ध्वज संहिता के प्रमुख बिन्दुओ के बारे में भी जागरूक किया। बताया कि राष्ट्रीय ध्वज

फहराना देश के प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। झण्डा ऊनी, सूती, खादी या सिल्क का होना चाहिए। झण्डे पर किसी प्रकार के अक्षर नहीं लिखे जाए। पोशाक, परिधान के रूप में या बंदनवार, फीता या झडियां बनाने या किसी दूसरे प्रकार की सजावट के लिए झण्डे का प्रयोग नहीं किया जाए। क्षतिग्रस्त झण्डे का उपयोग नहीं किया जाए। सम्मान पूर्ण स्थान पर ही झण्डे को फहराया जाना चाहिए सहित आदि जानकारी प्रदान की।

महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर । कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई और खाद्य पदार्थों में लागू की गई जीएसटी के खिलाफ शुक्रवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर में मोतीझील स्थित राजीव वाटिका में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस लाइन ले जाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने नारों के जरिए बढ़ती महंगाई पर केंद्र और राज्य सरकार को दोषी ठहराया। कहा कि महंगाई के कारण लोग गृहस्थी नहीं चला पा रहे हैं। डीजल–पेट्रोल और गैस के बाद अब सरकार ने खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगा दिया है। इससे सभी खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं। प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू किया और नारेबाजी करने लगे कि सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया गया। एसीपी स्वरूप नगर ने बताया कि कांग्रेसी बिना अनुमति के प्रदर्शन कर रहे थे, इसलिए उन्हें हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश सचिव विकास अवस्थी, पार्षद जेपी पाल समेत दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे।

'राठ में चोरों का आतंक–देर रात घर में घुसकर 2. 8 लाख नकदी समेत 10 लाख का सामान किया पार'

'हमीरपुर(राठ)'– राठ कस्बे में देर रात 3 बजे चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर जेवर नकदी लेकर फरार हो गए। जब सुबह परिवार के लोग उठे तब उन्हें चोरी की जानकारी मिली। घटना के बाद पीड़ित गृह स्वामी ने राठ कोतवाली में मामले की लिखित तहरीर देकर कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। राठ कोतवाली क्षेत्र के ओंता गांव के निवासी परमेश्वरी दयाल उर्फ पन्नालाल ने बताया कि रात्रि के समय वह अपने परिवार के साथ खाना खाकर सो गया था। प्रातः 3 बजे के लगभग अज्ञात चोरों ने उसके घर में घुसकर दरवाजों व बक्सों के ताले तोड़कर बक्सों में रखे 2 लाख 80 हजार रुपये की नगदी के अलावा सोने व चांदी के जेवरात एवं 2.8 लाख नकदी समेत 10 लाख का सामान चोरी कर ले गए! आगे बताया कि जब वह और उसका परिवार सुबह सोकर उठा तो दरवाजों व बक्सों के टूटे हुए तालों व बिखरे हुए सामान को देखकर उन्हें चोरी होने की घटना की जानकारी मिली। इस चोरी से उन्हें 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।पीड़ित गृहस्वामी ने राठ कोतवाली में मामले की तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मामले में राठ कोतवाली के इंस्पेक्टर विनोद कुमार राय ने बताया कि चोरी की घटना की गहनता से जांच पड़ताल कराई जा रही है।

मालगाड़ी का वैगन पटरी से उतरा, आधे घंटे खड़ी रही वंदे भारत, कई घंटों तक चली मरम्मत

फतेहपुर । जिले में कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही मालगाड़ी शुक्रवार की सुबह साढ़े दस बजे खागा प्लेटफार्म के पास डाउन लाइन पर डिरेल हो गई। एक वैगन के दो पहिए पटरी से नीचे उतर गए। मालगाड़ी में गड़बड़ी तब आई, जब वह स्टेशन पर पहुंची और पूर्वी केबिल के पास पटरी से उतर गई। हादसे में डाउन लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। कानपुर से प्रयागराज से एक मालगाड़ी केएल–60 सुबह करीब साढ़े दस बजे खागा रेलवे स्टेशन पहुंची, तो उसके संचालन में गड़बड़ी हुई और पटरियों से टूटने की तेज आवाज आने लगी। आवाज सुनकर रेलवे स्टॉफ तुरंत बाहर आ गया और मालगाड़ी पश्चिमी केबिन के पास पहुंची, तो एक वैगन के दो पहिए पटरी से उतर गए। हादसे में डाउन लाइन स्टेशन के पास से

पश्चिमी केबिन तक क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा देख तुरंत पीछे से आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस को खागा स्टेशन के आउटर पर रोक दिया गया। करीब आधे घंटे के बाद वंदे भारत को लूप लाइन से निकाला गया और रेल यातायात शुरू हुआ। ट्रेन संचालन में देरी के चलते यात्रियों को परेशानियों को सामना करना पड़ा। सूचना पर एडीआरएम सहित प्रयागराज से कई अधिकारी व कर्मचारी खागा स्टेशन पहुंचे और वैगन का पहिया लगाया गया और करीब तीन घंटे के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया। मरम्मत का काम शाम तक हुआ।

पार्किंग में खड़े ट्रक से डीजल चोरी, ट्रांसपोर्टरों ने चोरों को दौड़ाया तो गाड़ी और डीजल छोड़कर भागे

कानपुर । घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र में बीती रात पार्किंग में खड़े ट्रक से चोर डीजल चोरी कर रहे थे। ट्रक मालिक ने देखा को चिल्लाते हुए उन्हें पकड़ने दौड़ा। इस पर चोर कार लेकर भागने लगे। ट्रक मालिक ने अपने साथियों के साथ चोरों का पीछा। पीछे आते देख चोर रास्ते में अपनी कार और चोरी किया हुए डीजल के डिब्बे छोड़कर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार और डीजल के डिब्बों को कब्जे में लिया है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा निवासी ट्रांसपोर्टर विमलेश कुमार ने बताया कि उनका ट्रक कानपुर–सागर हाईवे पर पार्किंग में खड़ा था। बीती देर रात दो बजे उन्हें जीपीएस से पता चला कि टंकी का डीजल अचानक

तीन सौ लीटर से घटकर 120 लीटर हो गया है। थोड़ी देर में डीजल और कम हो गया। उन्होंने केबिन में सोए चालक को फोन किया और पूछा तो पता चला कि पांच चोर उनके ट्रक से डीजल चोर कर रहे हैं। इसके बाद मैंने टोल प्लाजा पर फोन करके सूचना दी। साथ ही अपने ट्रांसपोर्टर साथी गुड्डन सिंह, मुकेश तिवारी और बालेंदर सचान को बुलाया। सभी के साथ मौके पर पहुंच गया। हम लोगों को देखकर कार सवार चोर वहां से भागने लगे। इसके बाद हम लोगों ने भी उनका पीछा शुरू कर दिया। चोर रडौली–रैपुरा जाने वाले संपर्क मार्ग में घुस गए। इसी बीच उनकी तेज रफ्तार कार एक गड्ढे में फंस गई। इसके बाद पांचों चोर कार छोड़कर मौके से भाग निकले। हम लोग पहुंचे तो कार के अंदर से डीजल से भरे सात डिब्बे और सात खाली डिब्बे, शटर आदि सामान मिला।

इसके बाद हम लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार और सामान को कब्जे में ले लिया। कार में दिल्ली का नंबर पड़ा है। सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि डीजल चोरी करने वाले गिरोह का जल्द पर्दाफाश किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

फतेहपुर । शराब के नशे में रात को घर से निकले युवक का शव शुक्रवार सुबह खेत पर मिला। मृतक के पिता ने परिवार के ही एक युवक पर बेटे को शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस बिजली गिरने से मौत की आशंका जता रही है। ललौली थानाक्षेत्र के कोरकनक गांव निवासी रोहित सोनकर (22) ट्रक चालक था। कई माह से गांव में रह रहा था। वह शराब के नशे में गुरुवार रात घर पहुंचा था। मां शांति देवी ने नशे में घर आने पर रोहित को डांटा। तभी रोहित लोटा लेकर खेत की तरफ चला गया था। काफी देर तक घर नहीं लौटा तो परिजन खोजबीन को निकले। कोई पता नहीं लगा। ग्रामीणों ने गांव किनारे घनश्याम डेरा में सुरेंद्र सिंह के खेत पर सुबह रोहित का शव पड़ा देखा। कुछ दूरी पर एक बीयर का खाली कैन पड़ा था। ग्रामीणों की सूचना पर मृतक के पिता, मां और भाई सोनू, मोनू, राहुल सोनकर पहुंचे। पिता देशराज ने आरोप लगाया कि बेटे को परिवार का ही एक युवक शाम को घर से बुला ले गया था। वह बेटे से पुरानी खुन्नस मानता है। इसी वजह से शराब में जहरीला पदार्थ घोलकर बेटे को पिलाया है। इससे बेटे की मौत हो गई। चार बेटों में रोहित सबसे छोटा था। थानाध्यक्ष आलोक पांडेय ने बताया कि शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है। बारिश के दौरान रात को बिजली भी गिरी थी।

बिजली की चपेट में आने से मौत हो सकती है। परिजनों के आरोप की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हालात स्पष्ट हो जाएंगे।

25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार, तमंचा–कारतूस बरामद

फतेहपुर । जनपद में पुलिस ने गस्त के दौरान 25 हजार के इनामिया बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की। पकड़े गए इनामिया बदमाश गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के बाद से फरार चल रहा था। जिसको गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली हैं। जिले की असोथर थाना पुलिस गश्त पर निकली थी कि तभी मुखबिर ने सूचना दी। एक शातिर बदमाश जिसके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित है वह सातों धरमपुर रोड के पास किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है।मुखबिर के बताए जगह पर पहुची पुलिस ने घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर एक 315 बोर का एक तमंचा व दो कारतूस बरामद हुआ है। थाना प्रभारी नीरज यादव ने बताया कि पकड़ा गया शातिर बदमाश तौसीफ पुत्र तौफीक 22 वर्ष निवासी पारा हसनपुर थाना करारी जिला कौशांबी का रहने वाला है। इसके ऊपर थाना थरियांव पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई एक साल पहले की थी तभी से यह फरार चल रहा था। इसके ऊपर एसपी ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस इसकी तलाश में जुट रही। जिसको आज मुखबिर के सूचना पर गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। आपको बता दें कि ऑपरेशन पाताल के तहत जिले में एसपी राजेश कुमार सिंह के निर्देश पर पुलिस वांछित वारन्टी अभियुक्तों के खिलाफ अभियान चलाया गया है।जिसके तहत पुलिस को इस फरार इनामिया बदमाश को पकडने में सफलता मिली है।

खड़े ट्रक में घुसी वोल्वो बस, आठ यात्री गंभीर रूप से घायल

इटावा । जिले के जसवंतनगर में जयपुर से हमीरपुर जा रही एक वोल्वो बस हाईवे पर ट्रक ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हुए हैं। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही उक्त जगह पर दूसरी दुर्घटना में अज्ञात वाहन की टककर से महिला की मौत हो गई।

शुक्रवार सुबह घटना आगरा कानपुर हाईवे पर जमुना बाग ओवर ब्रिज के निकट फौजी ढाबा के सामने घटित हुई, जब वॉल्वो बस सवारियों को लेकर जयपुर से हमीरपुर जा रही थी। तभी किनारे की साइड पर ट्रक ट्रेलर से टकरा गई। इस दौरान आठ यात्रियों को चोटें आई हैं। घायल यात्रियों में एक मां बेटी स्थानीय गांव कीरतपुर की रहने वाली रानी देवी पत्नी ठाकुर दास व उनकी बेटी मयूरी (25) को सीने में चोट बताई गई है। वहीं, अन्य घायलों के नाम सत्येंद्र (24) पुत्र विजेंद्र सिंह निवासी जरौली बढ़पुरा, भोले (42) पुत्र चंद्र प्रकाश निवासी खैरगढ़ तिलक नगर उत्तर फिरोजाबाद, सनी (35) पुत्र अखिलेश निवासी करुआ सुमेरपुर जिला हमीरपुर, वारिस (20) पुत्र यासीन निवासी सिमरा साराबाद कानपुर नगर,

हरि प्रकाश (35) पुत्र महाराज सिंह निवासी मटामई मटसेना फिरोजाबाद, सिनवई (18) पुत्र शकील मूसानगर कानपुर नगर बताए गए हैं। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने 108 एम्बुलेंस के जरिए घायलों को सीएचसी पहुंचाया था, जहां से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है।

अधिक भंडारण करने पर मौरंग सीज, सिटी मजिस्ट्रेट और खनन अधिकारी ने की कार्रवाई

उन्नाव । सदर कोतवाली के एक स्थान पर एक फैक्ट्री के अंदर बड़े पैमाने पर मौरंग के कारोबारियों ने अवैध ढंग से बरसात के दिनों में ऊंचे दामों में मौरंग बेचने के लिए भंडारण कर रखा है। इसकी सूचना किसी ने उन्नाव के अफसरों को दे दी। डीएम के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट और सीओ ने मौके पर पहुंचकर सीज की कार्रवाई की है। जिससे अन्य मौरंग विक्रेताओं में हड़कंप मचा हुआ है। शुक्रवार दोपहर उन्नाव सिटी मजिस्ट्रेट विजेता कुमारी, खनन अधिकारी, सीओ सिटी आशुतोष कुमार गंगाघाट पुलिस फोर्स के साथ सिंगरौसी मोड़ स्तिथ एक कबाड़ गोदाम में पहुंचे। जहां पर फैक्ट्री मालिक पवन अग्रवाल जोकि कानपुर के निवासी हैं। उनसे मौरंग भंडारण के विषय में जानकारी ली गई तो कोई भी प्रपत्र नहीं दिखा सके। मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने मौरंग भंडारण को लेकर नपाई कराई। इसके बाद कुल 810 मीटर मौरंग डंप पाई गई। जिला प्रशासन की ओर से की गई। इस कार्रवाई के बाद आसपास के दुकानदारों और मौरंग का भंडारण करने वाले माफियाओं में हड़कंप मचा रहा। सिटी मजिस्ट्रेट विजेता कुमारी ने बताया कि लगातार इसको लेकर अभियान चलाया जा रहा है। यदि कहीं

पर भी कोई किसी तरह का अवैध भंडारण पाया जाएगा। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

आपदा प्रबन्धन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

बहराइच । तीन दिवसीय राहत कार्य करने का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। जिसका समापन शुक्रवार को हो गया है। डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी मनोज के मार्ग निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बहराइच के तत्वावधान में एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन कमाण्डेन्ट मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में यह आयोजन किया गया था। तहसील महसी के ग्राम कपूरपुर गांव के पास यह आयोजन हुआ था। समापन के अवसर पर जिला आपदा विशेषज्ञ सुनील कुमार कन्नौजिया ने सफल प्रशिक्षण के लिए जिला प्रशासन की ओर से एनडीआरएफ टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आपदा मित्रों को बाढ़ से बचाव के सम्बन्ध में लोगों को जागरुक करने तथा प्रशिक्षण का निरन्तर अभ्यास करते रहने की अपेक्षा की। एनडीआरएफ की 11वीं बटालियन कमाण्डेन्ट मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में जिले के चयनित आपदा मित्रों को तालाब पर बाढ़ से बचाव, आपातकालीन स्थिति से निपटने, रबर बोट को तैयार करने और लाइफ जैकेट का प्रयोग करने के बारे में बताया गया।

घरेलू सामानों से विभिन्न प्रकार के राफ्ट को तैयार करने के बारे में तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एनडीआरएफ प्रशिक्षण दल में निरीक्षक आरबी गौतम, उप निरीक्षक अनिल सिंह कुशवाहा सहित अन्य सदस्य, आपदा मित्र तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामवासी मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से किसान की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

उन्नाव । कोतवाली क्षेत्र के घूर खेत गांव स्थित तालाब में गुरुवार देर रात किसान की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किसान पैर फिसलने से तालाब में गिर गया था। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में शव पड़ा देखा तो परिवार के लोगों को मामले की जानकारी दी। पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला हसनगंज थाना क्षेत्र के न्योतनी गांव का है। गांव के रहने वाले 45 साल के संग्राम की ससुराल पुरवा कोतवाली क्षेत्र के घूर खेत गांव में है। वह ससुराल में रहकर तालाब में सिंघाड़े की खेती करता था। 6 माह से पत्नी और बच्चों के साथ ससुराल में ही मौजूद था। शाम को खाना खाने के बाद वह लेट गया था। देर रात वह रखवाली के लिए तालाब गया था। कहा जा रहा है इसी बीच पैर फिसलने से वो तालाब में गिर गया। गहरे पानी में चले जाने से डूबने से उसकी मौत हो गई। घर से गांव स्थित तालाब की दूरी करीब सौ मीटर के करीब बताई जा रही है। सुबह आसपास के लोगों ने तालाब में शव उतराता देखा तो सूचना परिवारी जनों को दी। शव देख परिवार में मौजूद पत्नी

और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। इंस्पेक्टर चंद्रकांत सिंह ने बताया कि शव को तालाब से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

42वीं वाहिनी एसएसबी ने चलाया तिरंगा अभियान, बच्चों व ग्रामीणों ने तिरंगे के साथ लगाई दौड़

बहराइच । नानपारा में 42वीं वाहिनी एसएसबी के कार्यवाहक कमांडेंट अनुज कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को ट्राई कलर रन का आगाज किया गया। यह दौड़ सीमा चौकी बक्शी फारेस्ट से सीमा चौकी जमुनहा तक हुआ। इस कार्यक्रम में 42वीं वाहिनी के अधिकारी, बल कार्मिक एवं स्थानीय स्कूल के छात्र–छात्राएं तथा स्थानीय जनता ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार सीमा क्षेत्र एवं अपने कार्यक्षेत्र में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। जिसमें विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। आज भारत–नेपाल सीमा स्थित रुपईडीहा में तिरंगा कार्यक्रम चला। अधिकारियों ने

कहा कि इसका उद्देश्य हर भारतीय नागरिक को देश के प्रति उसकी जिम्मेदारियों को याद दिलाना है। हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही राष्ट्रीय अखंडता के प्रतीक के रूप में यह लोगों की आशा और आकांक्षा का भी प्रतिनिधित्व करेगा। सीमान्त पीजी कॉलेज के प्रबंधक सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने एसएसबी के इस अभियान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हम सभी देशवासियों का कार्यक्रम है। हम सभी को इसमें हिस्सा लेना चाहिए। यह हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण पल है। यह ट्राई कलर रन लखनऊ से शुरू होकर सीमान्त मुख्यालय एसएसबी लखनऊ के तहत सीमावर्ती वाहिनियों से होते हुए महाराजगंज तक जाएगी। रुपईडीहा में 42वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट अनुज कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज लहराकर ट्राई कलर रन को आगे के लिए रवाना किया।

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड ने जल संरक्षण पर आयोजित की गोष्ठी

औरैया । अजीतमल के जनता महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कार्यक्रम हुआ। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड की ओर से जल संरक्षण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र और छात्राओं ने भाग लिया। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड के वैज्ञानिक व तकनीकी सचिव एसके स्वरूप ने स्लाइड के माध्यम से जल संरक्षण के तरीके बताए। कहा कि देश में पानी की परम्परागत स्रोत खत्म होते जा रहे है। इससे भूजल स्तर घटता जा रहा है। सचिव ने बताया कि भूजल स्तर दो ही तरीकों से

बढ़ाया जा सकता है। पहला वर्षा का जल संरक्षित कर और दूसरा परम्परागत जल स्रोतों का संरक्षण कर। कार्यक्रम में केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड उत्तरी क्षेत्र लखनऊ के विद्या भूषण ने बताया कि भूजल स्तर को सुधारने के लिए लोगों को आगे आने की जरूरत है। कार्यक्रम में कृषि विभाग, पंचायती राजविभाग आदि के अधिकारियों ने भी लोगों को भूजल संचयन व उसकी उपयोगिता के लिए जागरूक किया। इस आयोजन में औरैया जनपद के विभिन्न क्षेत्र में भूजल की क्या स्थिति है। इसकी जानकारी भी वैज्ञानिकों ने दी। विद्यालय के प्रार्चाय सचिन्द्र मोहन शर्मा ने छात्र–छात्राओं को उनके आसपास हो रहे जल के व्यर्थ इस्तेमाल को रोकने के प्रति जागरूक किया। डॉ योगेश दीक्षित, उपेन्द्र त्रिपाठी, डॉ रामबहादुर यादव, एपी सिंह, ध्रुव दत्त आदि लोग उपस्थिति रहे।

गरीब की जमीन पर दबंगों का कब्जा, पीड़ित महिलाओं ने डीएम व एसपी से लगाई कब्जा हटवाने की गुहार

हमीरपुर । राठ के धमना गांव में गरीब पट्टा धारकों की खेती की जमीन पर गांव के ही दबंगों का कब्जा है। पीड़ित जब इसका विरोध करते हैं, तो दबंग लड़ाई झगड़ा व मारपीट करने पर आमादा हो जाते हैं। लगभग आधा दर्जन पीड़ित लोगों ने राठ तहसील परिसर में आये डीएम व एसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। राठ कोतवाली क्षेत्र के धमना गांव की निवासी पानकुंअर पत्नी धूराम, गिरिजारानी, मुन्नी पत्नी बली, जुमियां पत्नी सलामत व तुलाराम व बल्लू ने राठ तहसील में आये जिलाधिकारी चन्द्रभूषण त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि राठ कोतवाली क्षेत्र के धमना गांव में गाटा संख्या 651 में उनके नाम पर पट्टे की जमीन है। बताया कि उनके पट्टे की जमीन के बगल में गांव के ही काशी प्रसाद पुत्र नाथूराम हरिकिशन पुत्र नारायनदास व मुन्ना पुत्र पुन्ना के खेत हैं। जो कि उन सभी लोगों की जमीन पर कब्जा किए हुए हैं। बताया कि वह लोग गरीब एवं असहाय हैं। जब वह लोग उक्त दबंगों से अपनी पट्टे की जमीन से कब्जा छोड़ने के लिए कहते हैं तो उक्त कब्जाधारक दबंग आक्रोशित होकर उनके साथ लड़ाई झगड़ा व मारपीट करने पर आमादा हो जाते हैं।

आज लगभग आधा दर्जन पीड़ितों ने राठ तहसील परिसर में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अपनी जमीन पर दबंगों का कब्जा हटवाए जाने की मांग की है।

स्वास्थ्य कर्मियों ने चलाया जागरुकता अभियान, घर में तिरंगा लगाने को किया प्रेरित

औरैया । बिधूना में आजादी के अमृत महोत्सव को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों व उनके तीमारदारों को जागरूक किया। हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे के साथ जागरूक अभियान चलाया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक ने सभी से आगामी 11 अगस्त से 17 अगस्त तक अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पूरे देश में अमृत महोत्सव के रूप में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर हर घर तिरंगा फहराने की अपील की है। इसके तहत अभियान को सफल बनाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिधूना के स्वास्थ्य कर्मियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि सभी को आगामी 11 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर में तिरंगा फहराना है। इस मौके पर सभी डाक्टर, नर्सिंग कर्मचारी, फार्मासिस्ट, सीएचओ, प्रशिक्षु फार्मा समेत सभी कर्मचारियों को तिरंगा भी वितरित किए गए।

1500 लीटर मिलावटी अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बार कोड और ढक्कन समेत अन्य उपकरण बरामद

फतेहपुर । पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मुखबिर के सूचना पर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों की निशानदेही पर भारी मात्रा में मिलावटी शराब और उपकरण बरामद किए हैं। पकड़े गए दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस गैंगेस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि बिंदकी कोतवाली प्रभारी रवींद्र श्रीवास्तव और आबकारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार माथुर को मुखबिर से सूचना मिली। पता लगा कि दो युवक मिलावटी अंग्रेजी शराब की दो पेटी लेकर खजुहा अमौली तिराहा के पास खड़े है। टीम ने मौके पर जाकर दोनों युवकों को पकड़कर पूछताछ किया तो दोनों ने अन्य जगह पर भी मिलावटी शराब होने की बात कही। उनकी निशानदेही पर पारादान कोठी के पास एक खेत में छिपाकर 25 ड्रम में 1500 लीटर एयाइल एल्कोहल अपमिश्रित शराब, 404 ढक्कन, 80 कटे अंग्रेजी शराब के ढक्कन, 647 बार कोड, दो पेटी जिसमें 96 पौवा मिलावटी अंग्रेजी शराब, 5 किलो यूरिया, 250 ग्राम नौसादर और अन्य उपकरण बरामद हुए है।

पकड़े गए युवकों की पहचान हजरत अली और दिव्यांश पाल के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार कर संगीन धाराओं में

मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है और दोनों पर गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को यह पता लगा रही है कि यह लोग मिलावटी शराब बनाकर किसको बेचते थे और अब तक कहां–कहां बेचा है। जिससे उन लोगों पर भी कार्रवाई की जा सके।

'75 वे स्वतंत्रता दिवस पर्व से पूर्व तिरंगा वॉल पेंटिंग से अपने गांव को सजा रही गांव की बेटी'

'हमीरपुर'– सुमेरपुर बिकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम भौरा में स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व एवं घर–घर तिरंगा अभियान के तहत गांव की बेटी आस्था सिंह स्वयं दीवारों पर तिरंगा कलर की बाल पेंटिंग कर रही है जिससे पूरा गांव तिरंगा कलर से सुसज्जित दिख रहा है! इस गांव की बेटी आस्था सिंह का कहना है की तिरंगा मेरे देश की शान है और आज मुझे मौका मिला है तो मुझे अपने तिरंगे के लिए कुछ कर लेने दीजिए! इस बच्ची के उत्साह से पूरा गांव गदगद है और गांव के लोगों को राष्ट्रीय झंडे के बारे में जागरूकता भी मिल रही है वॉल पेंटिंग कार्य में आस्था सिंह के साथ सुशील अवस्थी काली दिन प्रजापति ब्रह्म दत्त तिवारी कामता नामदेव सुरेंद्र सिंह भदोरिया ग्राम प्रधान काफी सराहनीय सहयोग देखने को मिला।